प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर – 331 403

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

आचार्य महाश्रमण का 23 को होगा पदाभिषेक

सम्पूर्ण धर्मसंघ की ओर से मुनि सुमेरमल सुदर्शन ने की घोषणा

सरदारशहर 13 मई।

तेरापंथ के दशम अधिशास्ता राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के महाप्रयाण के बाद धर्मसंघ के 11वें आचार्य के तौर पर आचार्य महाश्रमण का 23 मई को प्रातः 8.30 बजे विराट जनमेदनी के समुख गांधी विद्या मंदिर के विशाल प्रांगण में अभिषेक किया जायेगा। उक्त घोषणा सम्पूर्ण धर्मसंघ की ओर से दीक्षा ज्येष्ठ मुनि सुमेरमल सुदर्शन ने की। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने 1997 में गंगाशहर की पावन धरा पर महाश्रमण मुनि मुदित कुमार को अपना उत्तराधिकारी मनोनीत किया था। 23 मई को उनका आचार्य पद पर अभिषेक किया जायेगा। साधु–साध्वियों की ओर से निवेदन किये जाने के बाद आचार्य महाश्रमण ने उक्त कार्यक्रम की स्वीकृति प्रदान की। मुनि सुदर्शन ने बताया कि 250 वर्ष पूर्व आचार्य भिक्षु द्वारा प्रारंभ हुए इस तेरापंथ धर्मसंघ में एक गुरु एक विधान की परम्परा चलती है। अब तक 10 आचार्यों का नेतृत्व प्राप्त हो चुका है। अब 11वें आचार्य के रूप में आचार्य महाश्रमण का नेतृत्व सम्पूर्ण धर्मसंघ ने स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि धर्मसंघ का आगामी नेतृत्व वर्तमान आचार्यों के द्वारा ही मनोनीत कर दिया जाता है। मुनि सुदर्शन ने बताया कि यह दुर्लभ संयोग है कि आचार्य महाश्रमण की जन्म भूमि एवं दीक्षा भूमि सरदारशहर है और अब आचार्य पदाभिषेक भी इसी धरा पर हो रहा है। आचार्य महाश्रमण आगमों के गहन अध्येता एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी हैं। आचार्य महाश्रमण अपने पदाभिषेक से एक दिन पूर्व ही जीवन के 48 वर्ष पूर्ण करेंगे और 22 मई को इसी दिन आचार्य महाप्रज्ञ समाधि स्थल पर पधारेंगे और वहां से मालू फार्म पर रात्रि में विश्राम करेंगे। 23 मई को प्रातः मालू फार्म से पदाभिषेक समारोह के लिए गांधी विद्या मंदिर पधारेंगे। आचार्य पदाभिषेक समारोह की घोषणा के साथ ही सम्पूर्ण देश में रहने वाले श्रद्धालुओं को सूचित करने के लिए मोबाइल खड़–खड़ा उठे। आशा की जा रही है कि इस समारोह में सम्मलित होने के लिए 50 हजार लोग सरदारशहर पहुंचेंगे। समारोह की तैयारियों में चातुर्मास व्यवस्था समिति के कार्यकर्त्ता एवं गांधी विद्या मंदिर के कार्यकर्त्ता जुट गये हैं।

नहीं मनेगा आचार्य महाश्रमण का जन्म दिवस

आचार्य महाश्रमण का आने वाला 22 मई को 49वां जन्म दिवस अब नहीं मनाया जायेगा। आचार्य महाश्रमण ने अपने गुरु आचार्य महाप्रज्ञ की पुनीत स्मृति में अपना 49वां जन्म दिवस न मनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि देश में कहीं पर भी इस बार मेरा जन्म दिवस न मनाया जाये। मैं अपने जन्म दिवस पर आचार्य महाप्रज्ञ के समाधि स्थल पर भक्ति, ध्यान के साथ ही मनाना चाहूंगा और वहां से शक्ति लेकर दायित्व को ग्रहण करूंगा।

स्मृति सभा का तीसरा दिन

आचार्य महाप्रज्ञ का देवलोक में हो रहा है स्वागत – आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 13 मई।

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि एक महान विभूति के जाने से यहां सबके कष्ट की अनुभूति हो रही है पर देवलोक में उनका स्वागत, अभिनन्दन हो रहा है। यह एक द्वंद्व है। इस द्वंद्वात्मक युग में समता का अभ्यास करे। आचार्यश्री श्रीसमवसरण में आयोजित आचार्य महाप्रज्ञ की स्मृति सभा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

स्थानीय विधायक अशोक पींचा ने कहा कि मानव उत्थान की सोचने वाले महामानव का जाना सबके हृदय को सूना कर गया है। उस महामानव महाप्रज्ञ की कृपादृष्टि मेरे ऊपर सदा बरसती थी। गांधी विद्या मंदिर के कुलपति मिलाप दूगड़ ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ की मधुर मुस्कान विशेधियों के विरोध को चूर–चूर कर देती थी। दुगड़ ने अंतिम दिन प्रवचन के पश्चात् हुए आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शनों की कहानी को प्रस्तुत किया। नगर भाजपा महामंत्री गिरधारी पारीक, बीकानेर के कृपापात्र श्रावक मूलचन्द बोथरा, सुमतिचन्द गोठी, कन्हैयालाल छाजेड़ ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने स्वरचित गीत को साध्वी समुदाय के साथ प्रस्तुत किया। ''महाप्रज्ञ की जय हो'' नामक गीत आचार्य महाप्रज्ञ के व्यक्तित्व को परिभाषित कर रहा था। 45 वर्षों से आचार्य महाप्रज्ञ की सेवा में रहने वाले मुनि राजेन्द्र कुमार, मुनि चैतन्य कुमार, मुनि अभिजीत कुमार, मुनि मलयज, साध्वी उज्जवलरेखा, साध्वी मुदित यशा, साध्वी गुप्तिप्रज्ञा, साध्वी संगीतप्रभा, समणी मुदितप्रज्ञा, समणी कुशलप्रज्ञा, समणी रोहितप्रज्ञा, उपासिका तारा दुगड़ ने अपने आराध्य को भावसुमन समर्पित किये। समणीवृंद ने महाप्रज्ञ अष्टकम से मंगलाचरण किया। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

शीतल बरड़िया

(मीडिया संयोजक)